



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-09082023-247932
CG-DL-E-09082023-247932

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 192]
No. 192]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 8, 2023/श्रावण 17, 1945
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 8, 2023/SHRAVANA 17, 1945

जल शक्ति मंत्रालय

(पेयजल एवं स्वच्छता विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 2023

सं. एस-18012/5/2021-एसबीएम-डीडीडब्ल्यूएस.—जबकि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (बाद में अधिनियम के रूप में संदर्भित) की धारा 40 केंद्रीय सरकार को दिव्यांगजनों के मुख्य आयुक्त के परामर्श से, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जनता को प्रदान की गई सुविधाओं और सेवाओं के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पहुंच संबंधी मानक निर्धारित करने के लिए नियम बनाने का आदेश देती है;

2. और जबकि, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, जो ग्रामीण स्वच्छता से संबंधित मुद्दों के संबंध में नोडल केंद्रीय विभाग है, ने हितधारकों और दिव्यांगजनों के मुख्य आयुक्त के कार्यालय के परामर्श से दिव्यांगजनों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालयों के लिए पहुंच संबंधी मानक विकसित किया है;

3. अब, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल शक्ति मंत्रालय एतद्वारा अनुबंध में दिए गए विवरण के अनुसार "ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालयों के लिए सुलभ संबंधी मानक" अधिसूचित करता है।

जितेन्द्र श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

अनुबंध

ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालयों के लिए सुलभ संबंधी मानक

1. संदर्भ एवं परिचय:

- स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम (जी)) के प्रथम चरण के दौरान समयबद्ध तरीके से खुले में शौच से मुक्त भारत (ओडीएफ भारत) की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने के बाद, एसबीएम-जी के तहत प्राप्त लाभों को बनाए रखने के लिए सभी के लिए बेहतर स्वच्छता तक पहुंच और व्यवहार परिवर्तन संचार के प्रयासों को जारी रखना होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी वंचित न रहे और यह सुनिश्चित किया जा सके कि गांवों में समग्र स्वच्छता हासिल की जाए और उसे बनाए रखा जाए।
- एसबीएम (जी) के चरण I की सफलता के बाद, इसके चरण II का ग्रामीण भारत में व्यक्तियों और समुदायों की क्षमता का लाभ उठाने के लिए एक अद्वितीय डिजाइन के साथ शुभारंभ किया गया था ताकि ग्रामीण क्षेत्रों की ओडीएफ स्थिति की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए जन आंदोलन का सृजन किया जा सके, लोग सुरक्षित स्वच्छ व्यवहार को अपनाना जारी रखें और सभी गांवों में ठोस और तरल कचरा प्रबंधन की व्यवस्थाएं हों।
- सामुदायिक स्वच्छता परिसर (सीएससी), ओडीएफ-स्थिरता के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एसबीएम (जी) चरण II का एक प्रमुख घटक है। सीएससी के प्रावधानों में आईएचएचएल के लिए जगह की कमी वाले परिवार, अस्थायी/प्रवासी आबादी शामिल हैं।
- सीएससी में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग सुविधाएं होंगी, और इनमें उचित संख्या में शौचालय सीटें, स्नान कक्ष, वॉशिंग प्लेटफॉर्म, वॉश बेसिन आदि शामिल होंगे। सीएससी दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए सुलभ होना चाहिए।
- स्वच्छ भारत मिशन (जी) दिव्यांगजनों के लिए सुलभ शौचालयों को बढ़ावा देता है। दिव्यांगता के प्रकार के आधार पर, दिव्यांगजनों को अक्सर शौचालय सुविधाओं, विशेष रूप से सामुदायिक सेटिंग्स में और सार्वजनिक स्थानों जैसे कि स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य सुविधाओं और अन्य सामान्य स्थानों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। "ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ सामुदायिक शौचालयों" के लिए ये डिजाइन विचार सार्वभौमिक डिजाइन दृष्टिकोण के साथ पहुंच, समावेशन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए विकसित किए गए हैं।

इस दस्तावेज़ में ग्रामीण संदर्भ में सभी दिव्यांगजनों के लिए सामुदायिक स्थानों पर सुलभ और समावेशी स्वच्छता सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए विचार किए जाने वाले डिजाइन संबंधी उपायों के बारे में विस्तारपूर्वक वर्णन किया जाएगा।

जबकि इस दस्तावेज़ का मुख्य ध्यान दिव्यांगजनों और बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए सुलभ और समावेशी सामुदायिक स्वच्छता परिसरों पर है, सुलभ और समावेशी सामुदायिक स्वच्छता परिसर पहुंच की अस्थायी चुनौतियों वाले लोगों जैसे कि गर्भवती महिलाओं या छोटे बच्चों वाली माताओं या ऐसे व्यक्तियों के लिए सहायक होंगे जो वे अल्पकालिक शारीरिक बीमारियों से पीड़ित हैं, क्योंकि उन्हें भी स्वच्छता सुविधाओं तक पहुंचने में समान बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यदि बेहतर सुलभ स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता में देरी हो रही हो तो सुलभ स्वच्छता जैसी व्यवस्थाओं के लिए अंतरिम व्यवस्थाएं की जा सकती हैं।

टिप्पणी: राष्ट्रीय भवन निर्माण संहिता (एनबीसी) के दिशानिर्देशों के साथ-साथ दिव्यांगजनों और बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए बाधा मुक्त निर्मित वातावरण के लिए सामंजस्यपूर्ण दिशानिर्देश और स्थान संबंधी मानकों और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की सिफारिश है कि सभी सार्वजनिक स्थानों के प्रवेश और निकास द्वारों को सुलभ बनाया जाए (यदि वे पहले से ही ऐसे नहीं हैं)। इसके लिए, रैंप, फुटपाथ, मार्कर, स्थान की आवश्यकताएं, सहायक उपकरण आदि के लिए विशिष्ट डिजाइन विचार प्रदान किए गए हैं।

चूंकि, इस दस्तावेज़ का ध्यान सामुदायिक स्तर पर सुलभ स्वच्छता समाधानों की ओर है, इसलिए स्वच्छता सुविधाओं के लिए सार्वभौमिक डिजाइन दृष्टिकोण और/या भारत में सार्वभौमिक पहुंच के लिए सामंजस्यपूर्ण दिशानिर्देश और मानक

आगे विचार के लिए सुझाए गए हैं। इसके अलावा, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि प्रस्तावित सुझाव, समुदाय द्वारा संचालित और अनुरक्षित (और कुछ मामलों में स्वामित्व वाले) ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यथार्थवादी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दिए गए हैं। हालांकि कई प्रौद्योगिकी-उन्मुख समाधान हैं जैसे सेंसर-आधारित नल, कूड़ेदान, दरवाजे इत्यादि, और कम लागत-वाले हार्डवेयर जो उन्हें अधिक सुलभ बना सकते हैं, ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उनकी उच्च पूंजी लागत और नियमित संचालन एवं रखरखाव की आवश्यकता को देखते हुए ये फौरी तौर पर यथार्थवादी नहीं हैं।

2. ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ सामुदायिक शौचालयों के लिए डिज़ाइन के समाधान

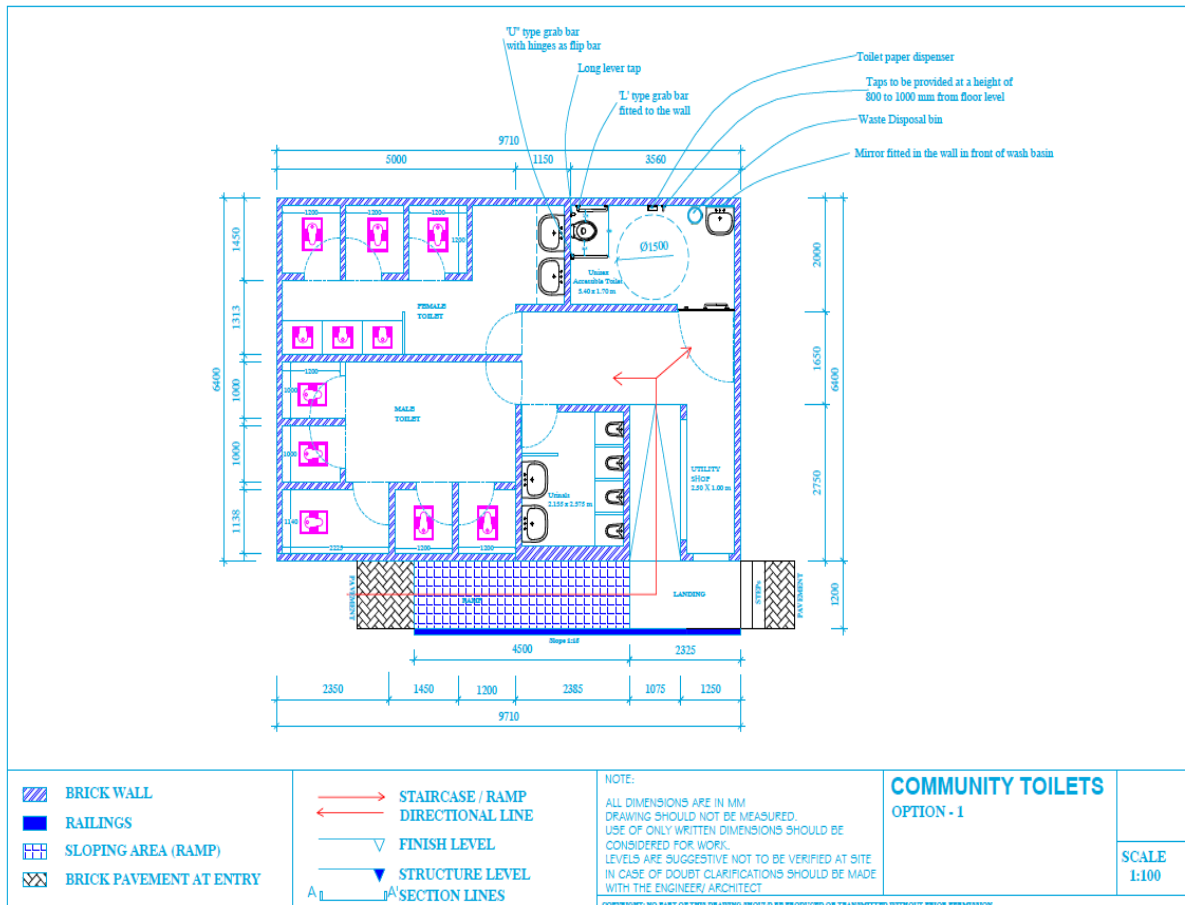
दिव्यांगता के प्रकार	शौचालयों तक पहुंचने/उपयोग करने में सामना की गई चिह्नित कठिनाइयाँ	किए जा रहे डिजाइन के विचारों/समाधानों के उदाहरण
शारीरिक दिव्यांगता/गतिशीलता दिव्यांगता (जैसे प्रमस्तिष्क घात, गतिविषयक दिव्यांगता, पेशीयदुष्पोषण, बहु-स्केलेरोसिक, आदी)	<ul style="list-style-type: none"> संतुलन बनाए रखने में कठिनाइयाँ बैठने, उठने और/या मुड़ने में कठिनाइयाँ दरवाजे की कुंडी, पानी का डिब्बा आदि जैसी वस्तुओं को ढूँढने और/या पकड़ने में कठिनाई हिलते समय अत्यधिक दर्द होना 	<ul style="list-style-type: none"> शौचालय की ओर जाने वाला मार्ग सुगम और बाधाओं से मुक्त हो पकड़ने के लिए रास्ते पर हैंडरेल पर्याप्त ढलान वाले रैंप फर्श फिसलन रहित सामग्री से बनाया जाए शौचालय का प्रवेश द्वार व्हीलचेयर के प्रवेश के लिए पर्याप्त स्थान है शौचालय कक्ष में व्हीलचेयर वाले व्यक्ति के लिए पर्याप्त स्थान है ताकि वह आराम से मुड़ सके और दरवाजा बंद कर सके शौचालय कक्ष के अंदर हैंडरेल/ग्रैब बार उठी हुई सीट आवश्यकता के अनुसार फिक्स्चर की ऊंचाई/स्तर समायोजित किया जाए एकांत और उपयोग में आसानी सुनिश्चित करने के लिए दरवाजे में आशोधन
दृष्टिगत ह्रास (अंधापन या निम्न दृष्टि)	<ul style="list-style-type: none"> रास्ता खोजने में कठिनाई संतुलन बनाए रखने में कठिनाई दरवाजे की कुंडी, पानी का डिब्बा आदि जैसी वस्तुओं को ढूँढने और/या पकड़ने में कठिनाई 	<ul style="list-style-type: none"> शौचालय की ओर जाने वाले रास्ते पर थलचिह्न/गाइड स्ट्रिंग शौचालय कक्ष के अंदर हैंडरेलिंग/ग्रैब बार फर्श फिसलन रहित सामग्री से बनाया जाए शौचालय और शौचालय के बाहर के क्षेत्र में अच्छी प्रकाश व्यवस्था हो दीवारों, फर्श और फिक्स्चर के बीच पर्याप्त रंग/टोनल कंट्रास्ट हो
बौद्धिक दिव्यांगता या संवेदी दिव्यांगता	<ul style="list-style-type: none"> दृष्टि/गंध के प्रति संवेदनशीलता अँधेरे/बंद स्थान में भय 	<ul style="list-style-type: none"> शौचालयों में पर्याप्त जगह और संवातन शौचालय और शौचालय के बाहर के क्षेत्र में अच्छी प्रकाश व्यवस्था हो
वाक और श्रवण दिव्यांगता	<ul style="list-style-type: none"> भवन ढूँढने में कठिनाई ब्लॉक के अंदर एकांत के साथ सुविधाओं तक पहुंचने में कठिनाई 	<ul style="list-style-type: none"> भवन का पता लगाने, शौचालय/मूत्रालय जैसी सुविधाओं तक पहुंचने के लिए उचित स्थान के साथ उचित चिन्हों का उपयोग। आसान पहुंच के लिए साइनेज में प्रतीक चिह्न और पाठ एक साथ हो सकते हैं। अक्षरों का आकार आम तौर पर 18 फॉन्ट के आकार के साथ बोल्ड होना

		<p>चाहिए और आमतौर पर दीवार पर जमीन से 1500 से 1800 मिमी की दूरी पर लगाया जाना चाहिए।</p> <ul style="list-style-type: none"> प्रतीक चिह्न और पाठ को एक साथ मिलाकर दीवार पेंटिंग के लिए कंट्रास्ट रंग का उपयोग किया जाए।
बहु दिव्यांगताएं	चलने-फिरने/बैठने, सफाई करने में कठिनाई, सुविधाओं तक पहुँचने में कठिनाई	<ul style="list-style-type: none"> सुलभ शौचालय का डिज़ाइन सार्वभौमिक डिज़ाइन मानकों के अनुसार हो शौचालय सुविधा में सभी सुलभ सुविधाएँ शामिल होनी चाहिए जैसे कि सुलभ मार्ग, रैंप, सीढ़ियाँ, हैंडरेलिंग, प्रवेश द्वार, गलियारा, अंदर चलने के लिए जगह, ग्रैब बार, हैंडरेलिंग, अंदर की दीवार पर कंट्रास्ट रंग का ब्रांड आदि हो।

3. ग्रामीण संदर्भ में सुलभ शौचालय कक्षों वाले सामुदायिक शौचालयों के लिए नमूना डिज़ाइन

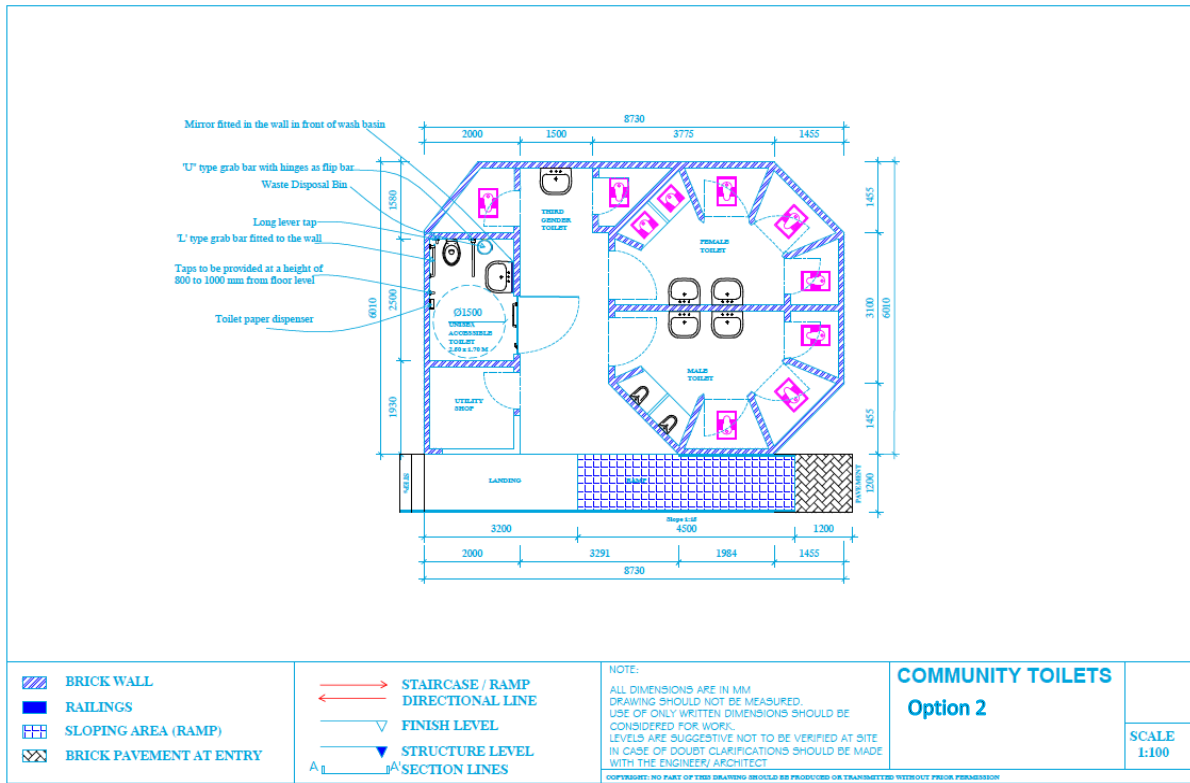
डिज़ाइन नमूना – 1

पर्याप्त भूमि उपलब्धता वाले क्षेत्रों के लिए नमूना सामुदायिक स्वच्छता परिसर डिज़ाइन- पुरुष और महिला सामान्य पृथक शौचालय इकाइयों के साथ-साथ सुलभ और समावेशी शौचालय कक्ष।



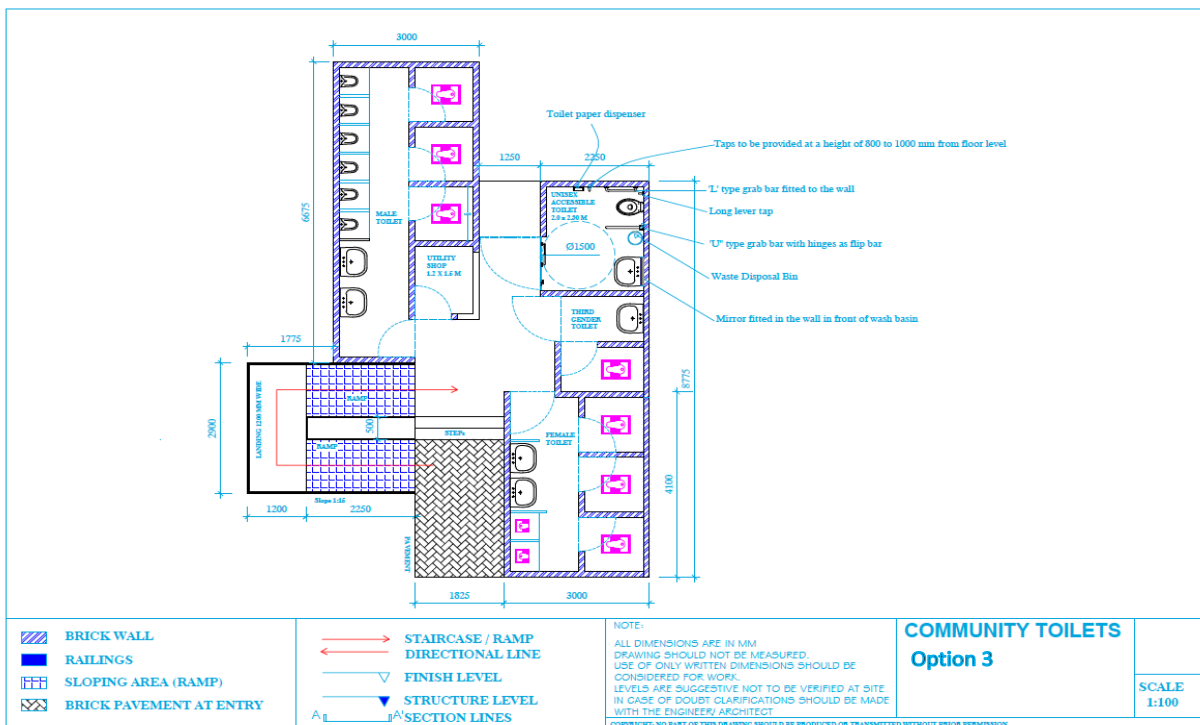
डिज़ाइन नमूना – 2

कम भूमि उपलब्धता वाले क्षेत्रों के लिए सामुदायिक स्वच्छता परिसर डिजाइन का नमूना - सुलभ और समावेशी शौचालय कक्षों के साथ-साथ पुरुष और महिला नियमित पृथक शौचालय यूनिट।



डिज़ाइन नमूना – 3

असमान भूमि उपलब्धता वाले क्षेत्रों के लिए नमूना सामुदायिक स्वच्छता परिसर डिजाइन - पुरुष और महिला सामान्य पृथक शौचालय इकाइयों के साथ-साथ सुलभ और समावेशी शौचालय कक्ष।



4.1 मुख्य डिज़ाइन विचार:

निम्नलिखित मानकों (माप/आयाम के साथ) का वर्णन किया गया है जो ग्रामीण संदर्भ में सामुदायिक स्वच्छता परिसर के लिए उपयुक्त हो सकते हैं:

(क) साइनेज और रंग

- शौचालय के प्रवेश द्वार पर फर्श के स्तर से 1.5 मीटर ऊपर सुलभ साइनेज (प्रतीक और पाठ दोनों) 18 प्वाइंट्स के साथ) लगाए जाने चाहिए। साइनेज को ब्रेल सुविधा के साथ विपरीत रंग से रंगा जाना चाहिए।
- कम दृष्टि वाले लोगों की आसान पहुंच के लिए शौचालय के दरवाजे के चारों ओर और भीतरी दीवार पर विपरीत रंग की पट्टी प्रदान की जा सकती है। इसी तरह, शौचालय के अंदर कमोड, वॉश बेसिन और अन्य फिक्स्चर भीतरी दीवार के रंग के विपरीत होने चाहिए।

(ख) सुलभता

- शौचालय तक पहुंचने का रास्ता साफ और सुगम होना चाहिए तथा फर्श पर उचित विनिर्देश के अनुसार स्पर्शनीय टाइल लगाई जानी चाहिए। शौचालय परिसर तक पहुंच मार्ग से कोई बाधा (चल या स्थिर) नहीं होनी चाहिए। पथ की चौड़ाई न्यूनतम 1200 मिमी या अधिक हो सकती है।
- शौचालय परिसर के प्रवेश द्वार पर एक रैंप (1:15 या उससे कम की ढलान के साथ मध्यम ढाल) होना चाहिए। रैंप की स्पष्ट चौड़ाई व्यक्तियों की संख्या के आधार पर अधिमानतः 1200 मिमी या अधिक होनी चाहिए। रैंप से पहले लैंडिंग के लिए कम से कम 1200 मिमी x 1200 मिमी खाली जगह होनी चाहिए। व्हील चेयर उपयोगकर्ता के लिए, न्यूनतम स्पष्ट चौड़ाई 900 मिमी होनी चाहिए।
- रैंप के दोनों तरफ और दो स्तरों पर हैंडरेल होनी चाहिए। निचली रेल को तैयार तल से 700 से 750 मिमी की ऊंचाई पर और ऊपरी रेल को तैयार तल से 850 से 900 मिमी की ऊंचाई पर लगाया जाना चाहिए। दोनों सिरों को गोल और ग्राउट किया जाना चाहिए और रैंप के ऊपर तथा नीचे से 300 मिमी तक बढ़ाया जाना चाहिए। यदि शौचालय भवन के अंदर दो तलों के बीच स्तर का अंतर है, तो आसान और सुगम पहुंच के लिए 1:15 ढाल का रैंप प्रदान किया जा सकता है।
- सुलभ सीढ़ियों को अधिकतम ऊंचाई का एक-समान राइज़र: 150 मिमी और न्यूनतम चौड़ाई: 300 मिमी का एक समान ट्रेड प्रदान किया जाना चाहिए। सीढ़ियों की अबाधित चौड़ाई कम से कम 1200 मिमी होनी चाहिए। दोनों तरफ दो स्तरों पर लगातार हैंडरेलिंग होनी चाहिए। निचली रेल को तैयार तल से 700 से 750 मिमी की ऊंचाई पर और ऊपरी रेल को 850 से 900 मिमी की ऊंचाई पर स्थिर किया जाना चाहिए। दोनों सिरों को गोल और ग्राउट किया जाना चाहिए और सीढ़ियों के ऊपर और नीचे से 300 मिमी तक बढ़ाया जाना चाहिए।
- व्हील चेयर पर शौचालय तक पहुंचने के लिए भवन के अंदर के गलियारे में 1200 मिमी की स्पष्ट मार्ग चौड़ाई होनी चाहिए।

(ग) सुलभ शौचालय

- सुझाए गए नमूना डिज़ाइनों में, दिव्यांग के उपयोग के लिए एक विशिष्ट शौचालय रखा गया है। इसमें गलियारे की पर्याप्त चौड़ाई, बाहर की ओर खुलने वाला दरवाज़ा, पर्याप्त आंतरिक स्थान, ग्रैव बार के साथ कमोड आदि हैं, जो सभी दिव्यांग लोगों के लिए शौचालय तक आसान पहुंच बनाता है।
- यह प्रस्तावित किया जा सकता है कि आंतरिक स्थान अधिमानतः 1.80 मीटर x 2.00 मीटर का होना चाहिए, जिसमें व्हीलचेयर की आसान गोलाकार आवाजाही के लिए वॉटर क्लॉज़ेट (डब्ल्यूसी) के सामने 1200 मिमी का खाली स्थान होना चाहिए।
- शौचालय के दरवाजे की चौड़ाई 900 मिमी स्पष्ट चौड़ाई होनी चाहिए और वह बाहर स्पष्ट रूप से खुलना चाहिए। दृष्टिबाधित लोगों की आसानी से पहुंच के लिए दरवाजे के फ्रेम और शटर के चारों ओर विपरीत रंग रंग की पट्टी प्रदान की जा सकती है।
- सुविधा के लिए वाटर क्लॉज़ेट के दरवाजे बाहर की ओर खुलने चाहिए। एक स्लाइडिंग दरवाज़ा भी उचित है।

हैंडल में गोलाकार खंड का डी आकार का फ्रेम होना चाहिए और यह दरवाजे के फ्रेम पर क्षैतिज रूप से फर्श स्तर से 850 से 1000 मिमी पर लगा होना चाहिए।

- शौचालय यूरोपीय शैली (कमोड) की दीवार पर फर्श के स्तर से 0.48 मीटर ऊपर होना चाहिए और चेतावनी के लिए अलार्म घंटी होनी चाहिए।
- शौचालय के बगल में दीवार की तरफ फर्श के स्तर से 0.7 मीटर की ऊंचाई पर एल-आकार की ग्रैब बार 700 x 700 मिमी होनी चाहिए और ट्रांसफर साइड पर फर्श के स्तर से 480 मिमी की ऊंचाई पर यू आकार की ग्रैब बार होनी चाहिए।
- ग्रामीण संदर्भ में, दिव्यांग व्यक्ति द्वारा स्वयं को कमोड बेस पर स्थानांतरित करने में सहायता करने के लिए ग्रैब बार तय किए जा सकते हैं। कभी-कभी, 25 मिमी से 35 मिमी व्यास वाले जीआई पाइप या स्टेनलेस-स्टील बार को कमोड के दोनों किनारों पर उचित ऊंचाई (जमीन से 700 मिमी पर लगाया जा सकता है) पर लगाया जाता है, जैसा कि एमओएचयूए के सामंजस्यपूर्ण दिशानिर्देशों में बताया गया है।

(घ) वॉश बेसिन और नल

- वॉश बेसिन को फर्श के स्तर से 700 से 800 मिमी (ऊपरी किनारे) के बीच स्थापित किया जाना चाहिए, जिसमें घुटने के लिए कम से कम 760 मिमी चौड़ा, 200 मिमी गहरा और 650 मिमी-680 मिमी ऊंचा स्थान हो।
- वॉश बेसिन का रंग दीवार के रंग के विपरीत होना चाहिए।
- सभी नलों में लंबे लीवर प्रकार के हैंडल होने चाहिए और अधिमानतः फर्श स्तर से 0.7 से 0.8 मीटर की दूरी पर लगाए जाने चाहिए। अधिमानतः शौचालय के नजदीक आसान सफाई उद्देश्यों के लिए पानी का एक नल लगा होना चाहिए।

(ङ) अन्य

- शौचालय और शौचालय क्षेत्र के बीच स्तर का अंतर 6-12 मिमी से अधिक नहीं होना चाहिए।
- अन्य संदर्भ में वॉटर क्लॉज़ेट एक संशोधित कमोड प्रकार हो सकता है (चिनाई कार्य की एक उभरी हुई संरचना जिस पर भारतीय पैन तय होता है)
- दर्पण का निचला किनारा फर्श से 900-100 मिमी की दूरी पर रखा जाना चाहिए और दर्पण को उचित कोण पर झुकाया जा सकता है।
- मूत्रालय स्थल पर सीढियाँ नहीं बनाई जानी चाहिए।
- दिव्यांग व्यक्तियों (उदाहरण के लिए, बैसाखी उपयोगकर्ता) को सहारा देने के लिए कम से कम एक मूत्रालय में दोनों ओर और मूत्रालय के सामने ग्रैब बार स्थापित होने चाहिए।
- सुलभ शौचालय कक्षों के लिए कक्ष दरवाजे डिज़ाइन में उल्लेखानुसार, बाहर की ओर खुलने वाले होंगे ताकि वे उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा कर सकें।
- मूत्रालय की सीटों में से एक सीट को कम ऊंचाई पर लगाया जा सकता है और इसे ग्रैब बार के साथ स्थिर किया जा सकता है।
- शौचालय/मूत्रालय तक पहुंचने के लिए कोई दरवाज़ा सील नहीं होना चाहिए।
- प्रत्येक शौचालय कक्ष में टॉयलेट पेपर डिस्पेंसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।

टिप्पणी: ऊपर उल्लिखित यूनिसेक्स एक्सेसिबल कम्युनिटी सेनेटरी कॉम्प्लेक्स - डिजाइन और विशिष्टताएं आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित "भारत में सार्वभौमिक पहुंच के लिए सामंजस्यपूर्ण दिशानिर्देश और मानक 2021" में उल्लिखित मानकों और डिजाइनों के अनुसार हैं।

कृपया हार्डवेयर घटकों के विस्तृत डिज़ाइन के लिए सामंजस्यपूर्ण दिशानिर्देश देखें।

MINISTRY OF JAL SHAKTI
(Department of Drinking Water and Sanitation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th August, 2023

No. S-18012/5/2021-SBM-DDWS.—Whereas Section 40 of the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (hereinafter referred as the Act) mandates the Central Government, in consultation with the Chief Commissioner for Persons with Disabilities, to formulate rules laying down standards of accessibility inter-alia for facilities and services provided to the public in urban and rural areas;

2. And whereas, Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jal Shakti which is the nodal Central Department with respect to the issues concerning rural sanitation, has developed accessibility standard for community toilets in rural areas for persons with disabilities in consultation with stakeholders and office of Chief Commissioner for Persons with Disabilities;

3. Now, Department of Drinking Water and Sanitation, Ministry of Jal Shakti hereby notifies the “Accessibility standards for community toilets in rural areas” as detailed at Annexure.

JITENDRA SRIVASTAVA, Jt. Secy.

ANNEXURE

Accessibility standards for Community Toilets in Rural areas

1. Context and introduction:

- Having achieved the milestone of an ODF India in a time bound manner during the Swachh Bharat Mission (SBM(G)) Phase I, efforts on access to improved sanitation for all and behaviour change communication have to continue to sustain the gains made under the SBM-G, to ensure no one is left behind and to ensure overall cleanliness in villages are achieved and maintained.
- Following the success of the Phase I of SBM(G), its phase II was launched with a unique design to leverage the capacity of individuals and communities in rural India to create people`s movement to ensure the ODF status of rural areas is sustained, people continue to practice safe hygienic behaviour and that all villages have solid and liquid waste management arrangements.
- The community sanitary complexes (CSC) form a key component of SBM(G) phase II to deliver the objectives of ODF-sustainability. The provisions of CSCs include for households having space constraints of IHHL, floating/migrant population.
- The CSCs shall have separate facilities for men and women, and shall consist of an appropriate number of toilet seats, bathing cubicles, washing platforms, wash basins etc, The CSC should be accessible for Divyangjans (persons with disabilities (PwD)).
- The Swachh Bharat Mission (G) promotes accessible toilets for PwDs. Depending on the type of disability, PwDs, often face difficulties with accessing toilet facilities especially in community settings and in public spaces such as schools, anganwadi centres, healthcare facilities and other common spaces. These design considerations for “accessible community toilets in rural areas” are developed to ensure accessibility, inclusion and responsiveness with universal design approach.

This document will detail on design measures to be considered to ensure accessible and inclusive sanitation facilities in community spaces for all persons with disabilities in rural context.

While the core attention of this document is on accessible and inclusive community sanitary complexes persons with disabilities and elderly persons, accessible and inclusive community sanitary complexes will be helpful for people with temporary access challenges such as pregnant women or mothers with young children or individuals who are suffering from short term physical ailments, since they too face similar barriers while accessing sanitation facilities. In case availability of improved accessible sanitation facilities is getting delayed, interim arrangements for accessible sanitation alike arrangements can be organised.

Note: The National Building Code (NBC) Guidelines as well as the Harmonised Guidelines and Space Standards for Barrier Free Built Environment for Persons with Disabilities and Elderly Persons and the Department of Empowerment of Persons with Disabilities within the Ministry of Social Justice and Empowerment recommend that entrances and exits of all public spaces are made accessible (if they are not, already). For this, specific design considerations for ramps, pavements, markers, space requirements, assistive devices, etc. have been provided.

As the focus of this document is towards accessible sanitation solutions at community level, Universal Design Approach for Sanitary Facilities and/ or the Harmonized Guidelines and Standards for Universal Accessibility in India

are suggested for further consideration. Furthermore, it is to be noted that the proposed suggestions are made taking into consideration realistic possibilities for community operated and maintained (and in some cases owned) rural areas. While there are many technology-intensive solutions such as sensor-based taps, dustbins, doors, etc., and cost intensive hardware which can make them more accessible, the same are not immediately realistic for rural areas given their high capital costs and need for regular operations and maintenance.

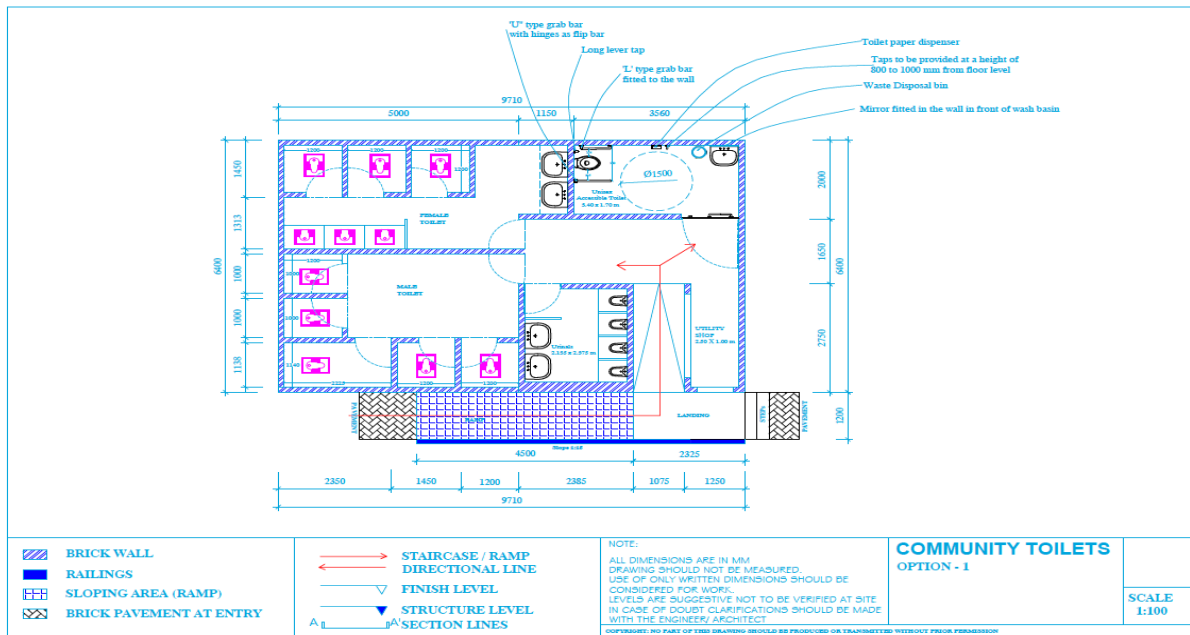
2. Design solutions for accessible community toilets in rural areas

Type of disability	Identified difficulties faced in accessing/ using toilets	Examples of design considerations/solutions being envisaged
Physical disability/ mobility impairments (such as Cerebral Palsy, Locomotor Disability, Muscular Dystrophy, Multiple Sclerosis, etc.)	<ul style="list-style-type: none"> Difficulties in maintaining balance Difficulties in squatting, getting up and/or turning Difficulty in finding and/or holding objects such as doorknob, water container etc. Extreme pain while movement 	<ul style="list-style-type: none"> Path leading to toilet smooth and free of barriers Handrail along path for support Ramps with adequate slope Floor made of non-slippery material Toilet entrance adequate for a wheelchair to enter Toilet cubicle space adequate for a person with a wheelchair to move and close door comfortably Handrail/grab bar inside toilet cubicle Raised seat Height/level of fixtures adjusted as per requirement Modifications in the door to ensure privacy and ease of use
Vision impairments (blindness or low vision)	<ul style="list-style-type: none"> Difficulty in finding path Difficulty in maintaining balance Difficulty in finding and/or holding objects such as doorknob, water container etc. 	<ul style="list-style-type: none"> Landmark posts/guide strings along the path leading to toilet Handrail/grab bar inside toilet cubicle Floor made of non-slippery material Toilet and area outside toilet well illuminated Adequate colour/tonal contrast between walls, floor and fixtures
Intellectual disabilities or sensory impairments	<ul style="list-style-type: none"> Sensitivity to sight/ smell Fear in dark/closed space 	<ul style="list-style-type: none"> Adequate space and ventilation in toilets Toilet and area outside the toilet well illuminated
Speech and Hearing Impairment	<ul style="list-style-type: none"> Difficulty in locating the building Difficulty in accessing the facilities inside the block with privacy 	<ul style="list-style-type: none"> Use of proper sign age with appropriate position to locate the building, to access the facilities like toilets/urinals. The signages may contain the symbol and text together for easy access. The letter sizes are to be bold with 18 pt size generally and to be usually placed at 1500 to 1800 mm from ground on the wall. Contrast colour may be used for the wall painting with symbol and text together.
Multiple Disabilities	Difficult in accessing the facilities Difficult in movement/ squatting, cleaning	<ul style="list-style-type: none"> The design for the accessible toilet may be as per the universal design standards The toilet facility should include all accessible features such as accessible pathway, ramp, steps, handrails, entrance door, corridor, inner moving space, grab bars, handrails, contrast colour brand on the inner wall etc.

3. Sample designs for community toilets with accessible toilet cubicles in rural context

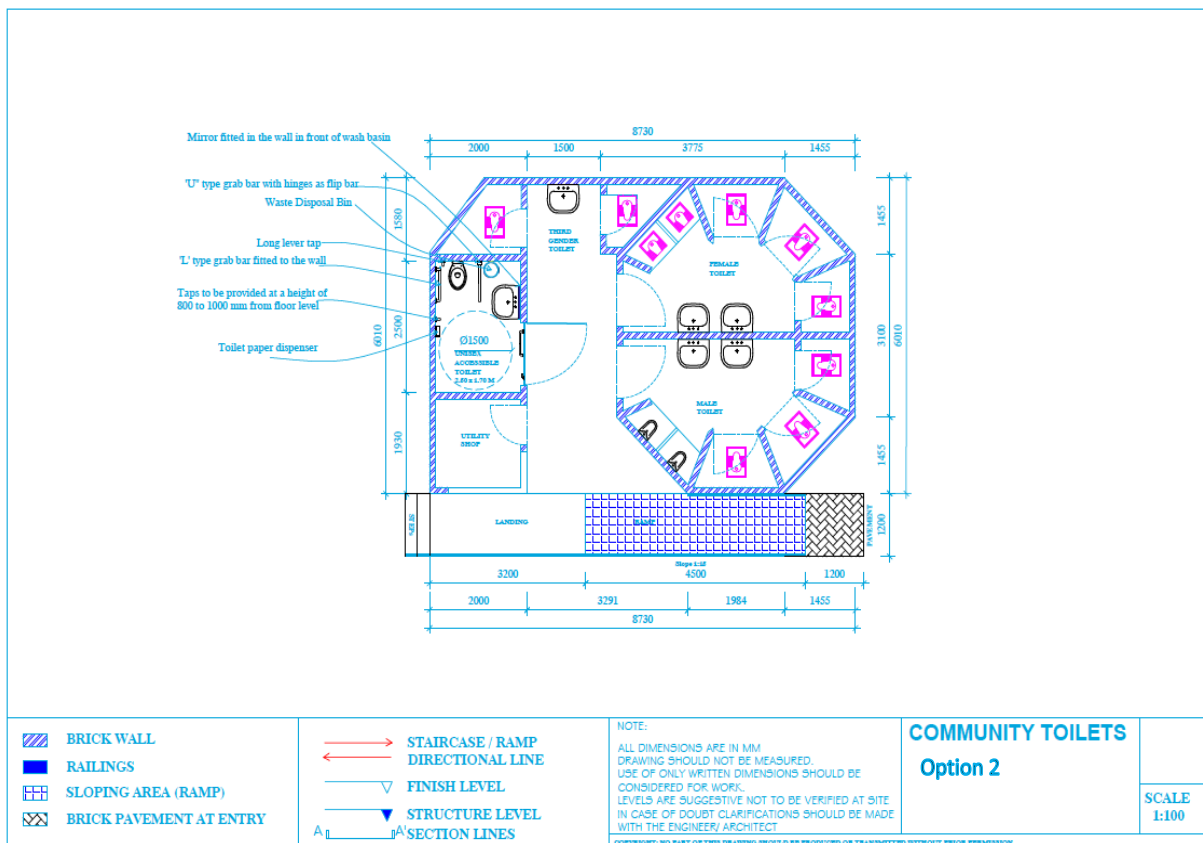
Design Sample – 1

Sample community sanitary complex design for areas with sufficient land availability - with accessible and inclusive toilet cubicle along with regular sectioned male and female toilet units.



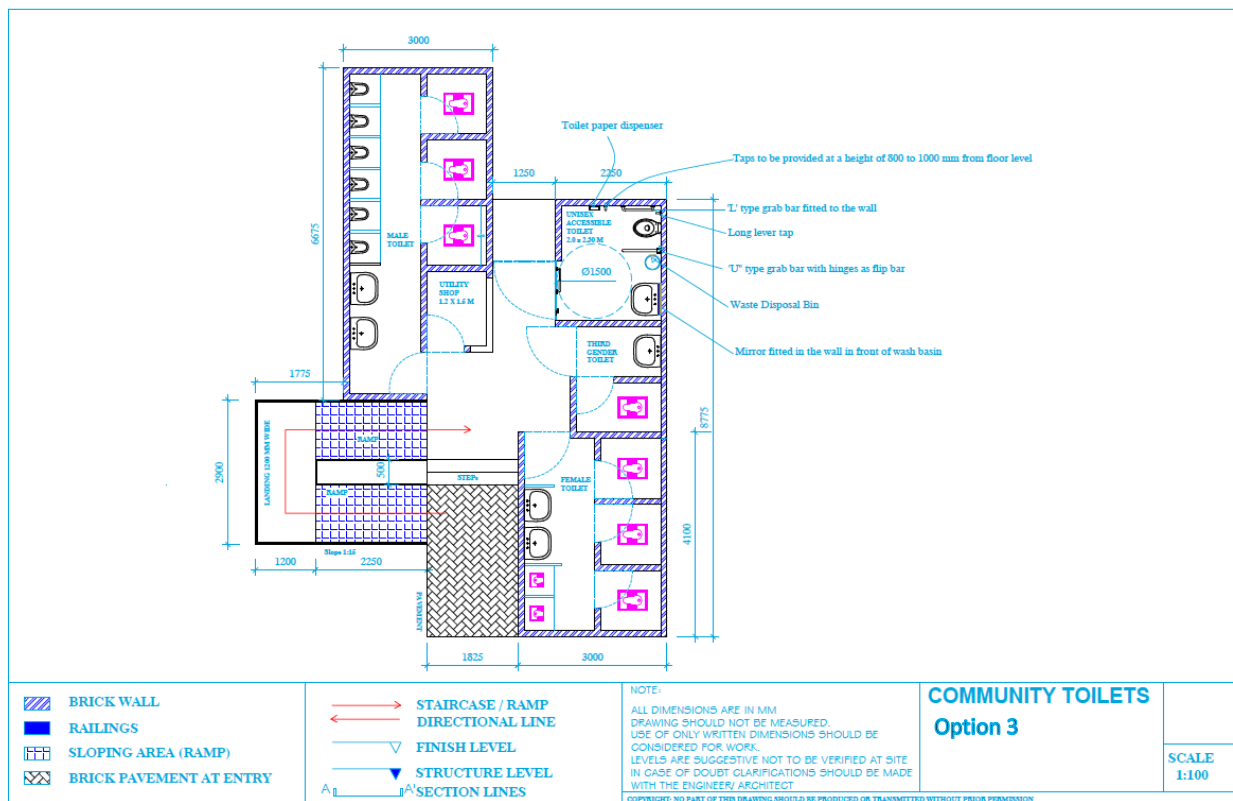
Design Sample – 2

Sample community sanitary complex design for areas with less land availability - with accessible and inclusive toilet cubicles along with regular sectioned male and female toilet units.



Design Sample – 3

Sample community sanitary complex design for areas with uneven land availability - with accessible and inclusive toilet cubicles along with regular sectioned male and female toilet units.



4.1 Key design considerations:

Following are standards described (with measurements/ dimensions) that may be appropriate for a community sanitary complex in rural context:

a. Signage and colour

- The accessible signage (both the symbol and the text with 18 pts) should be fixed at the entry of the toilet at 1.5 meters above the floor level. The signage should be painted with a contrast colour with Braille facility in it.
- Contrast colour band may be provided surrounding the door of the toilet and at the inner wall for easy access of the people with low vision. Similarly, the commode, wash basins and other fixtures inside the toilet should be of contrast to the inner wall colour.

b. Accessibility

- The Pathway (access) to the toilet should have clear and smooth and antiskid floor having tactile tile fixing as per proper specification. There should not be any obstacle (either fixed or movable) from the approach road to the toilet complex. The width of the pathway may be minimum 1200mm or more.
- The entrance of the toilet complex should have a ramp (moderately with a slope of 1:15 or less). The clear width of the ramp should preferably be 1200mm or more depending on the footfall. The landing before the ramp should be at least, 1200mm X 1200mm clear space. For a wheel chair user, the minimum clear width should be 900mm.
- Ramp should have Hand Rails on both sides and at two levels. The lower one at 700 to 750mm height and the upper rail should be fixed at 850 to 900 mm height from the finished floor. Both ends should be rounded and grouted and extend up to 300mm beyond the top and bottom of the ramp. If there is a level difference between two floors inside the toilet building, a ramp of 1:15 gradient may be provided for easy and smooth access.
- The accessible steps should be provided with a uniform riser of maximum height: 150mm and uniform Tread of minimum width: 300mm. The steps should have an unobstructed width of at least 1200mm. There should have continuous handrails on both sides at two levels. The lower rail should be fixed at 700 to 750mm height and the upper rail at 850 to 900mm height from the finished floor. Both ends should be rounded and grouted and extend up to 300mm beyond the top and bottom of stairs.

- The corridor inside the building should have a clear passage width of 1200mm to access the toilets in a wheel chair.

c. Accessible toilet

- In the suggested sample designs, one specific toilet has been kept for Persons with Disability to access. There is adequate corridor width, door opening outside, adequate inner space, commode with grab bars etc. that makes easy accessibility into the toilet for all people with disabilities.
- It may be proposed that the inner space should preferably be 1.80mt x 2.00mt wherein there should be a clear space of 1200mm in front of the water closet (WC), for easy circular movement of the wheelchair.
- The door width to the toilet should be 900mm clear width and should be opening outside clearly. Contrast colour band, surrounding the door frame & shutters may be provided for the visually impaired people to access easily.
- The doors of water closet should open outside for convenience. A sliding door is also advisable. The handle should have a D shaped frame of circular section and fitted at 850 to 1000mm from floor level, horizontally on the door frame.
- The WC should be of European style (Commode) wall mounted @0.48 mtrs above the floor level & should have alarm bell for warning purposes.
- Adjacent to WC there should be L-shaped grab bar 700 x 700 mm mounted at 0.7m high from the floor level on the wall side & should have U shaped grab bars mounted at 480mm from the floor level on the transfer side.
- In rural context, the grab bars may be fixed to support the person with disability to transfer themselves into the commode base. Sometimes, 25mm to 35mm dia G.I. pipe or stainless-steel bars fixed at both sides of the commode at appropriate height (may be at 700mm from ground), as mentioned in the MOHUA's harmonized guidelines.

d. Wash Basin and Taps

- The wash basin should be mounted between 700 to 800 mm (top edge) above the floor level with clear knee space of at least 760mm wide by 200mm deep and by 650mm-680mm high.
- The colour of the wash basin should contrast with the wall colour.
- All the taps should have long lever type handles and preferably fixed at 0.7 to 0.8mt from the floor level. Preferably there should be one water faucet fixed for easy cleaning purposes nearer to the toilet.

e. Others

- The level difference should not be more than 6-12 mm between the toilet & W.C. area.
- In other context the Water Closet may be a modified commode type (a raised structure of masonry work on which Indian pan is fixed)
- Mirror bottom edge is to be placed at 900-100 mm from the floor and the mirror may be inclined at an appropriate angle.
- At urinal place no steps should be provided.
- At least one of the urinals should have grab bars installed on each side and in front of the urinal to support ambulant persons with disabilities (for example, crutch user).
- As mentioned in the designs, cubicle doors for accessible toilet cubicles shall be outward facing to making them better meet the needs of users.
- One of the urinal seats may be fixed at a lower height and may be fixed with grab bars.
- There should not be any door seal to access the toilet/ urinals.
- Toilet paper dispensers may be provided in each toilet cubicles.

Note: Note: Above mentioned Unisex Accessible Community Sanitary Complex – Designs and specifications are as per the standards and designs of mentioned in the “Harmonized Guidelines and standards for Universal accessibility in India 2021” published by Ministry of Housing and Urban Affairs, GoI.

Please refer to the Harmonised Guidelines for detailed designs of the hardware components.